मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवायें,
AGROMET ADVISORY SERVICES
राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र,
NATIONAL RESEARCH CENTRE ON RAPESEED-MUSTARD
सेवर, भरतपुर 321 303 (राज0)
SEWAR, BHARATPUR-321 303 (RAJ.)

क्रमांकः 88 अवधिः 13 नवम्बर–16 नवम्बर 2007 दिनांकः 13 नवम्बर 2007

यह सूचना इन वेवसाइट पर भी उपलब्ध हैः www.indiaweatherwatch.org , www.ncmrwf.gov.in

(अ) मौसमः

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र, सेवर, भरतपुर में स्थापित मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवा इकाई से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले तीन दिनों में पूर्व दक्षिण पूर्व दिशा से औसतन 3 किलोमीटर प्रति घन्टा के वेग से हवा चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान लगभग 32^0 से. एवं न्यूनतम तापमान 12^0 से. रहने की संभावना है । इस सप्ताह वर्षा की संभावना नहीं है।

	प्रेक्षण	पूर्वानुमान		
दिनांक	13 नवम्बर	14 नवम्बर 2007	15 नवम्बर 2007	16 नवम्बर 2007
बादल	साफ	साफ	साफ	हल्का
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0
हवा की गति (कि.मी/घण्टा)	2(पूर्वानुमान)	3	3	3
हवा की दिशा	उत्तर उत्तर पश्चिम	पूर्व दक्षिण पूर्व	पूर्व दक्षिण पूर्व	पूर्व दक्षिण पूर्व
अधिकतम तापमान(^{0}से.)	32.0	32	32	32
न्यूनतम तापमान (^{0}से.)	12.5	13	13	12
सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95/25	अगले सप्ताह की कुल वर्षा का पुर्वानूमान : 0.0 मि.मी.		

(ब) कृषि परामर्शः

- आलू की बुबाई के लिए उचित तापमान है। उपयुक्त किस्मों जैसे कुफरी ज्योति, कुफरी बादशाह, कुफरी सतलज, कुफरी आनन्द, आदि का चयन कर बुवाई करें।
- बुवाई से पूर्व आलू बीज का 1 प्रतिशत थायोयूरिया, उसके बाद जिब्रेलिक अम्ल के 1 पी पी एम (1 मिलीग्राम प्रतिलीटर पानी) धोल में एक घंटा तथा अन्त में 3 प्रतिशत इथाइलीन क्लोरहाइड्रीन से उपचारित कर 72 घण्टे हवा बन्द पात्र में रखें।
- आलू के लिए कतार से कतार की दूरी 45–60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 15–20 सेमी रखते हुए 15–20 क्विंटल बीज आलू प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई करें। बुवाई के समय 50 किग्रा नत्रजन, 60 किग्रा फास्फेट और 100 किग्रा पोटास देवें। पोटास तत्व पोटेशियम सल्फेट या पोटेशियम नाइट्रेट से देवें।
- किसानों को गैंहु की उन्नतः किस्मों जैसे राज 3077, एच.डी. 2329, एच.डी. 2236, डब्ल्यू.एच. 147, पी.बी.डब्ल्यू343, का चयन कर 100 किग्रा बीज प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई करने की सलाह दी जाती है। बुवाई के समय 50–60 किग्रा नत्रजन, 50 किग्रा फास्फोरस तत्व प्रति हैक्टेयर देवें तथा पोटाश मृदा परिक्षण के आधार पर देवें।
- जौ की उन्नत किस्मों जैसे आर.डी. 2052, आर.डी. 2035, आर.डी. 103, आर.डी. 57 के बीज लेते हुए 100 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से 22.5 सेमी के अन्तराल पर कतारों में बुवाई करें।
- चना व मसूर की देर से बुवाई वाली किस्मों जैसे चना की पूसा 256, आर एस जी 2 एवं मसूर की टी 36, सिहोर 74–7 की बुवाई की जा सकती है।
- सरसों की फसल पौध अवस्था में है। उच्च तापमान के कारण चितकबरे कीट का प्रकोप हो सकता है, प्रकोप होने पर नियंत्रण के लिए एण्डोसल्फान 4 प्रतिशत धूल 20–25 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें। खेत की निराई गुड़ाई कर खरपतवार निकालते रहें।
- मवेशियों के चारे के लिए रिजका की बुवाई के लिए उपयुक्त तापमान है। उन्नत किस्मों जैसे सिरसा न.–8, सिरसा न.–9, एन डी आर आई सलेक्सन न.–1, आई जी एफ आर आई– एस–244, आई जी एफ आर आई– एस–54, आदि का चयन कर 20 सेमी कतार से कतार की दूरी रखते हुए 15–20 किग्रा बीज प्रति हैक्टेयर बुवाई करें। छिड़कवॉ विधि से बुवाई के लिए 20–25 किग्रा बीज प्रति हैक्टेयर काम में लेवें। बीजों को *राइजोबियम मेलिलोटाइ* संवर्धन से उपचारित करें।

नोडल अधिकारी